(फलक १ क १००-१३)

मोहन जुदाड़ो की एक वालों के कटिया पर वनी
तीन कपियों की आकृतियाँ

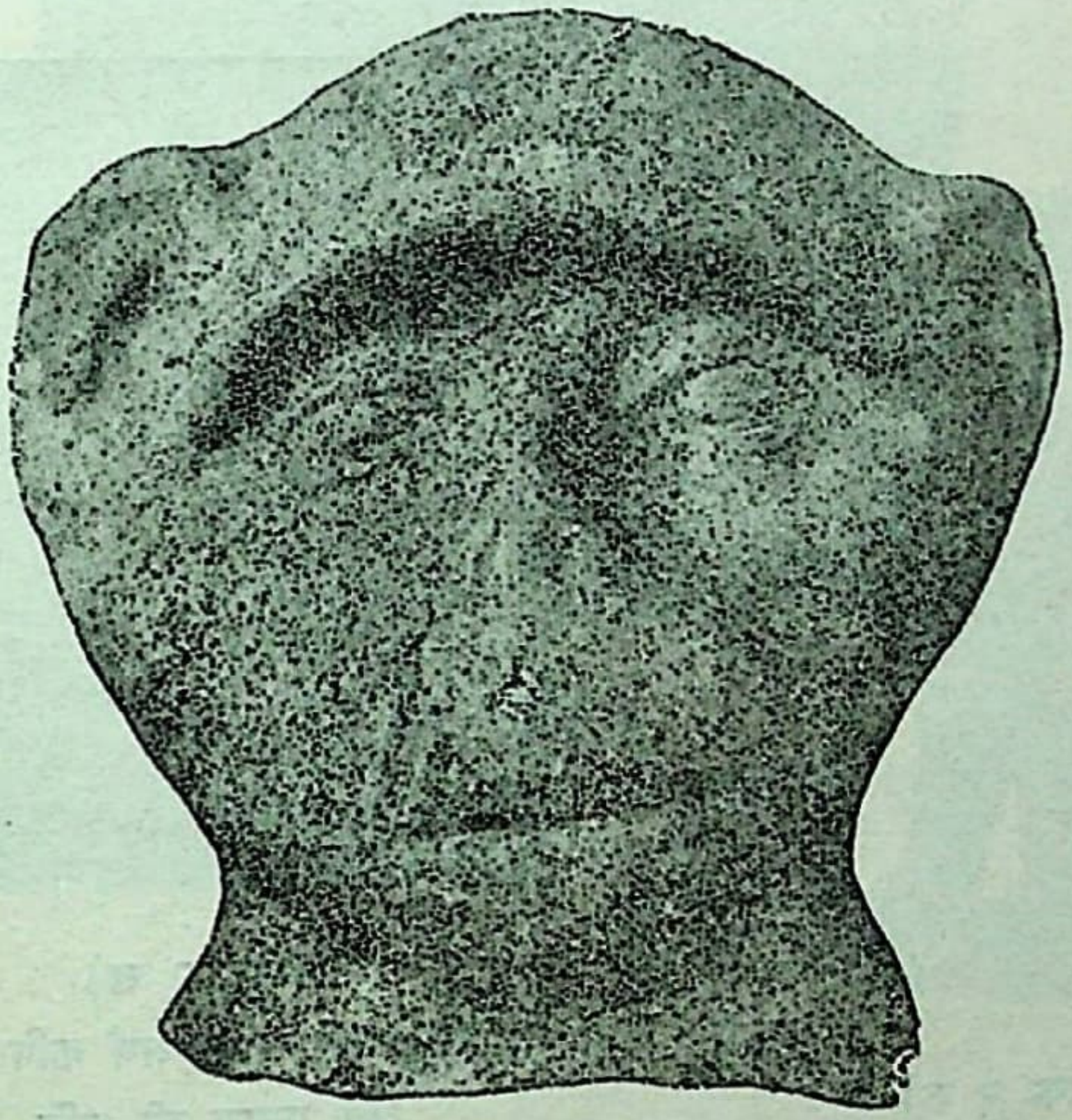

(फलक १ ख)

हड़प्पा से प्राप्त एक कपि की मृणमूर्ति

(फलक १ ग)

सिन्धु घाटी की सभ्यता की एक मोहर पर बनी पूंछ
और सींग सहित एक कपि आकृति
(फ्राम दि इण्डियन आर्ट थ्रू दी एजेज़ पृ० २१७ १ ए)

(फलक २ क)
(मोहन जुदाड़ो)
अर्ध कपि एवं अर्ध मनुष्य

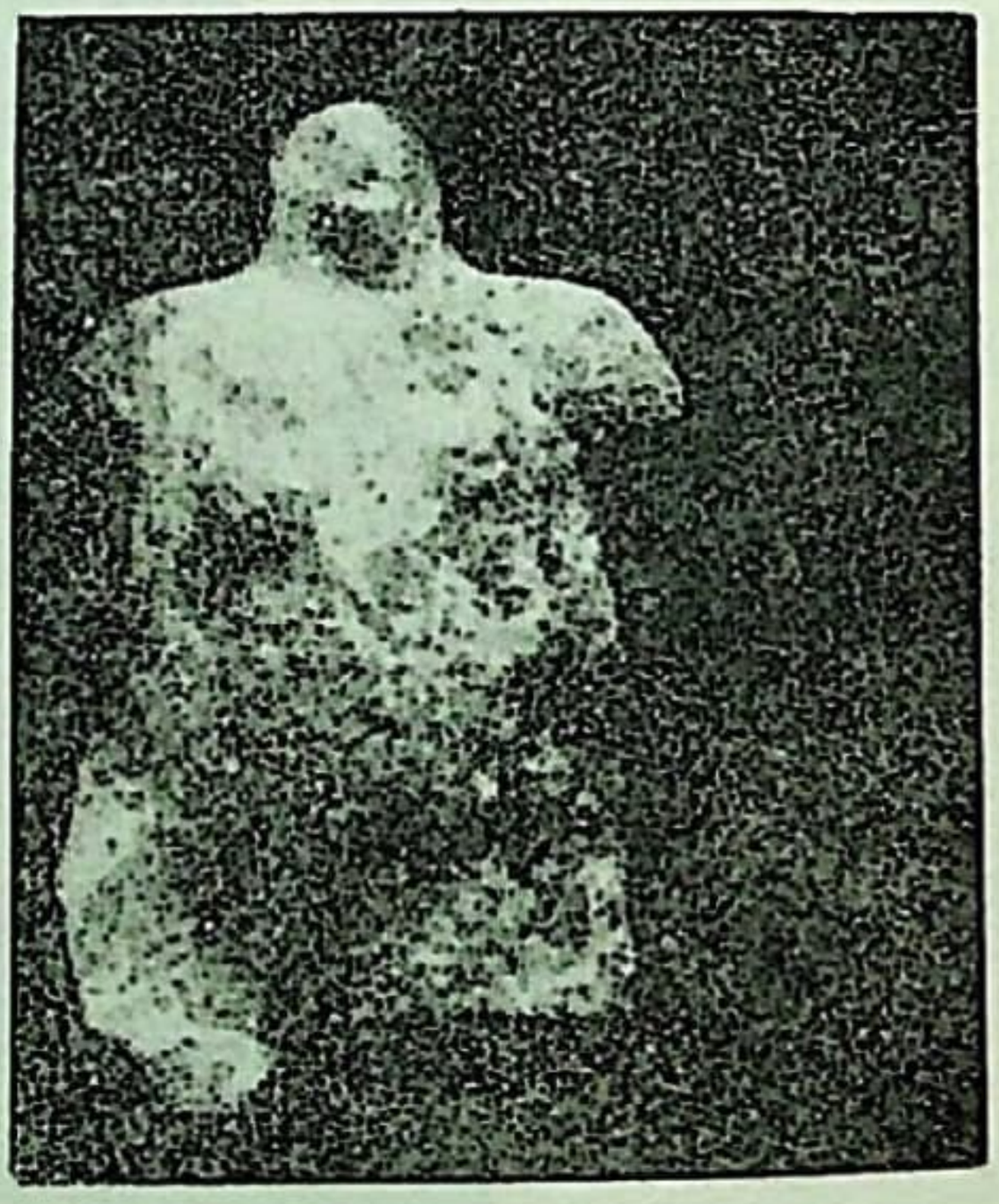

(फलक २ ख)
लोथल से प्राप्त अर्ध कपि एवं
अर्ध मनुष्य की मूर्ति

(फलक ३)

मिस्र के रामनेज के मंदिर के शोघ देवता की मूर्ति

(फलक ४ क)
असीरिया में कपि का महत्त्व

(फलक ५)
असीरिया से प्राप्त कपि चित्र

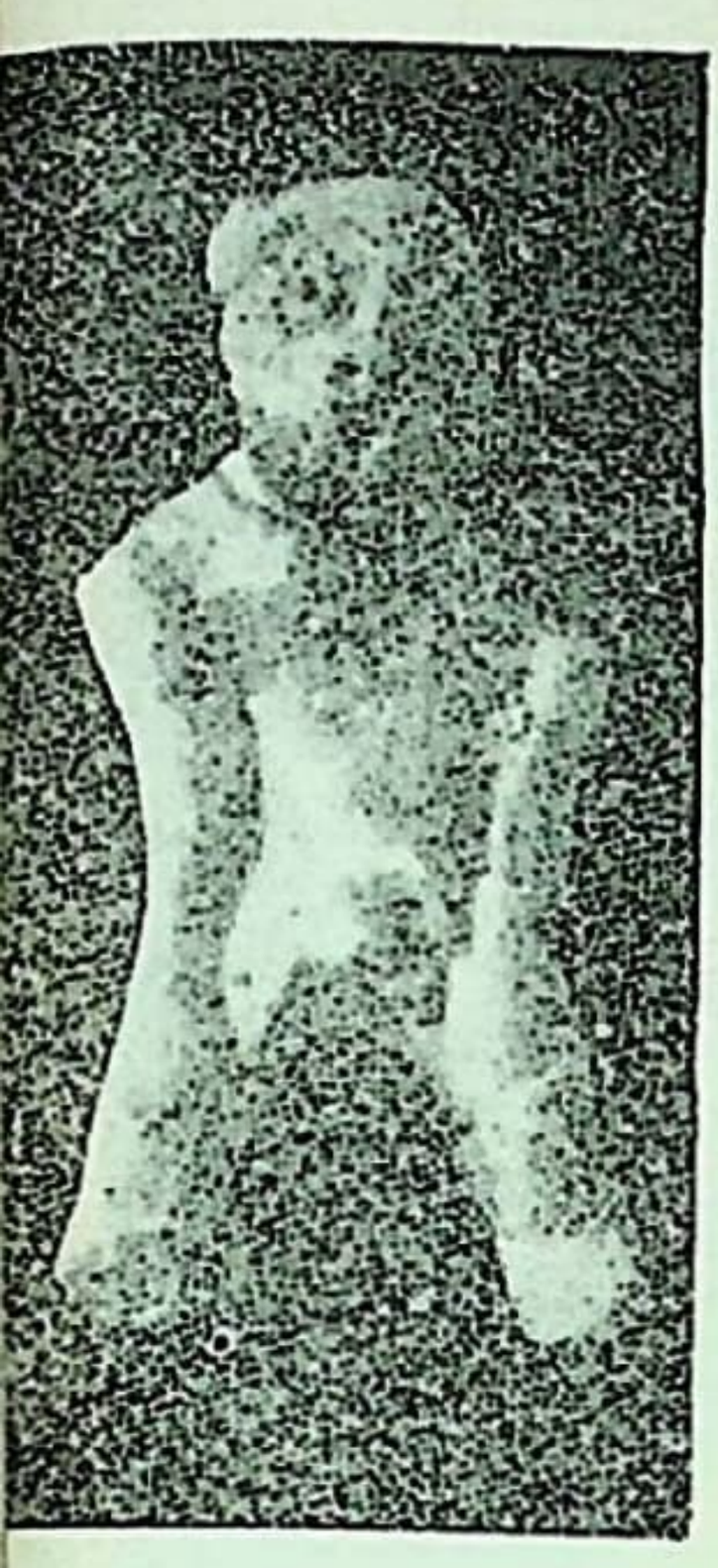

(फलक ६ क)

किस्तान के कोइ डिजी
खुदाई से प्राप्त अलंकार
पहिने हुए कपि मूर्ति

(फलक ६ ख)

चार सड्डा से प्राप्त कपि की
अलंकृत मूर्ति →

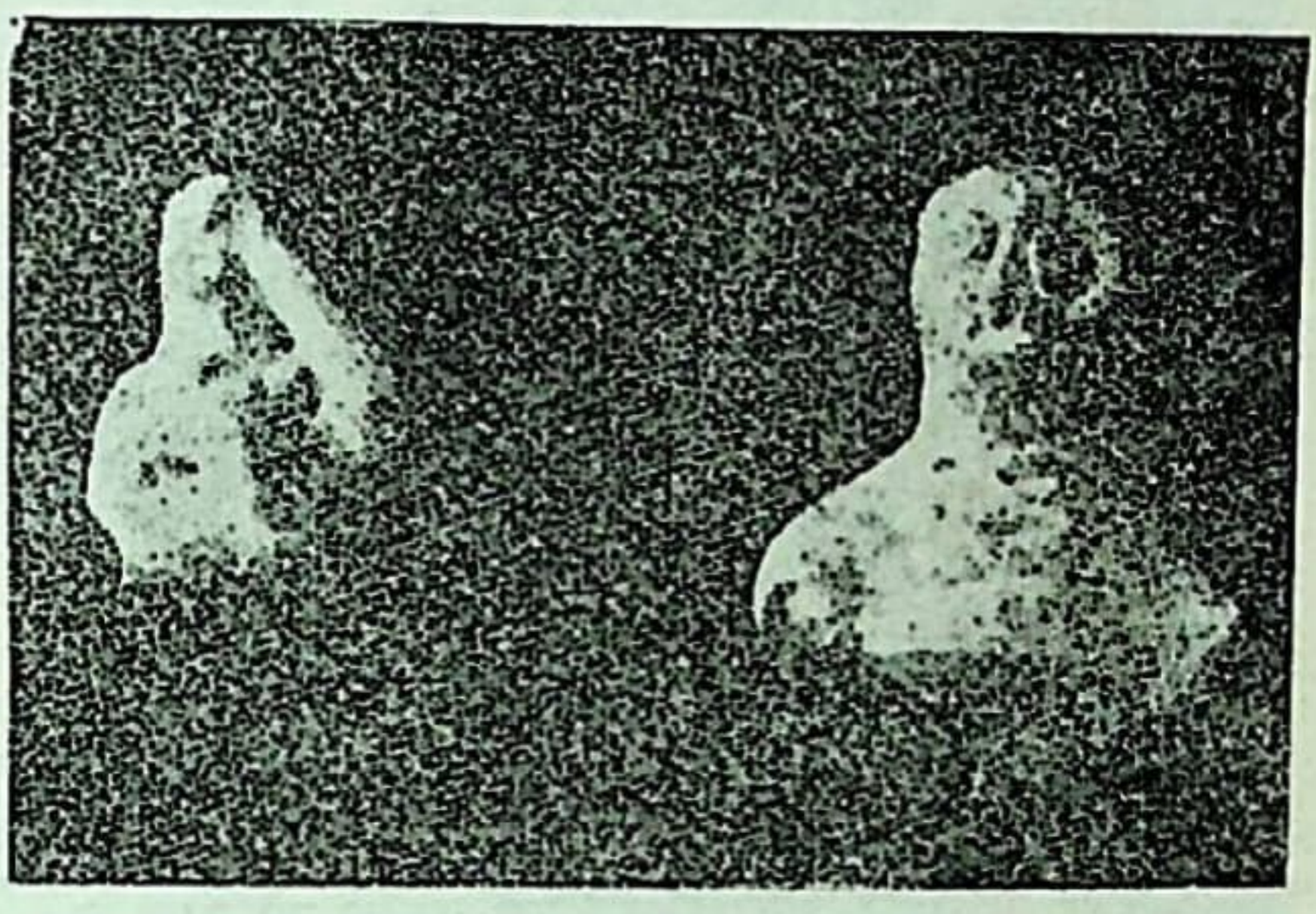

(फलक ६ ग घ)

चार सड्डा की अलंकृत मृणमूर्तियाँ

(फलक ६ च)

मौर्यकालीन मृणमूर्ति

(फलक ६ छ) →

र्यकालीन मृणमूर्ति चित्र श्री परमेश्वरी
ल गुप्त संग्रहाध्यक्ष, सतना राजकीय
संग्रहालय की कृपा से प्राप्त

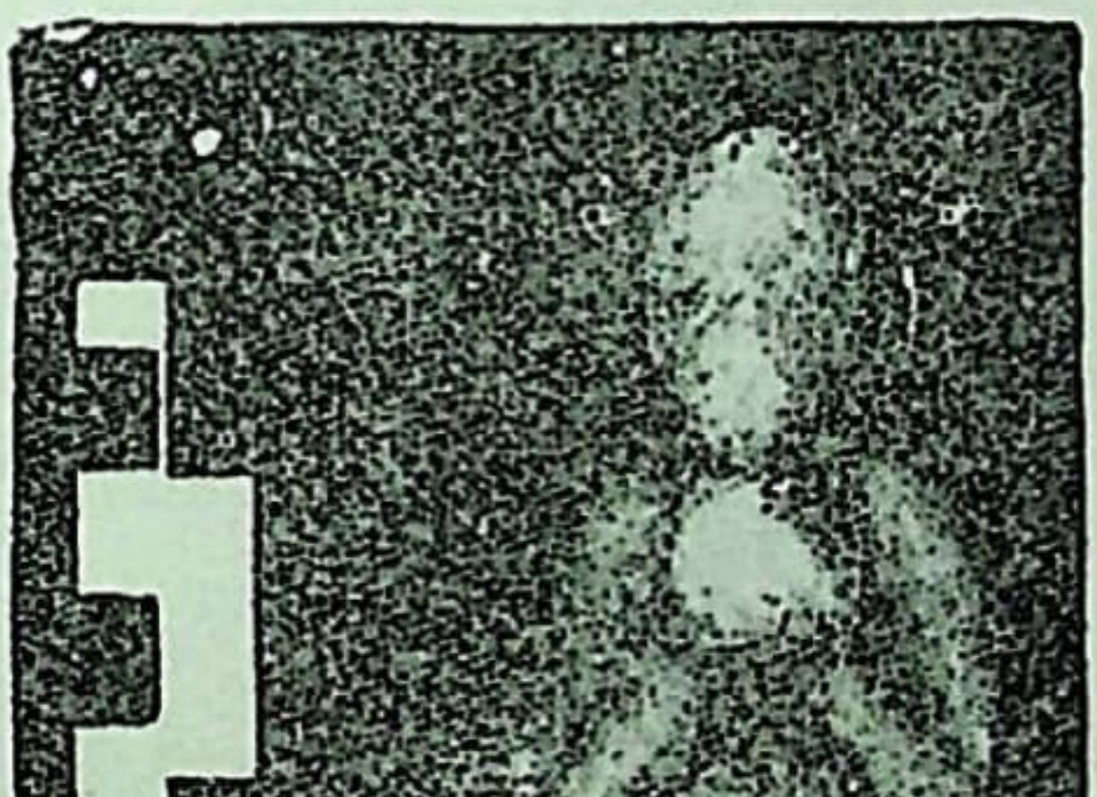

(फलक ७ क)

देवगढ़ से प्राप्त पाषाण खंड पर सुग्रीव को राम के कार्य का स्मरण दिलाते हुए हनुमान

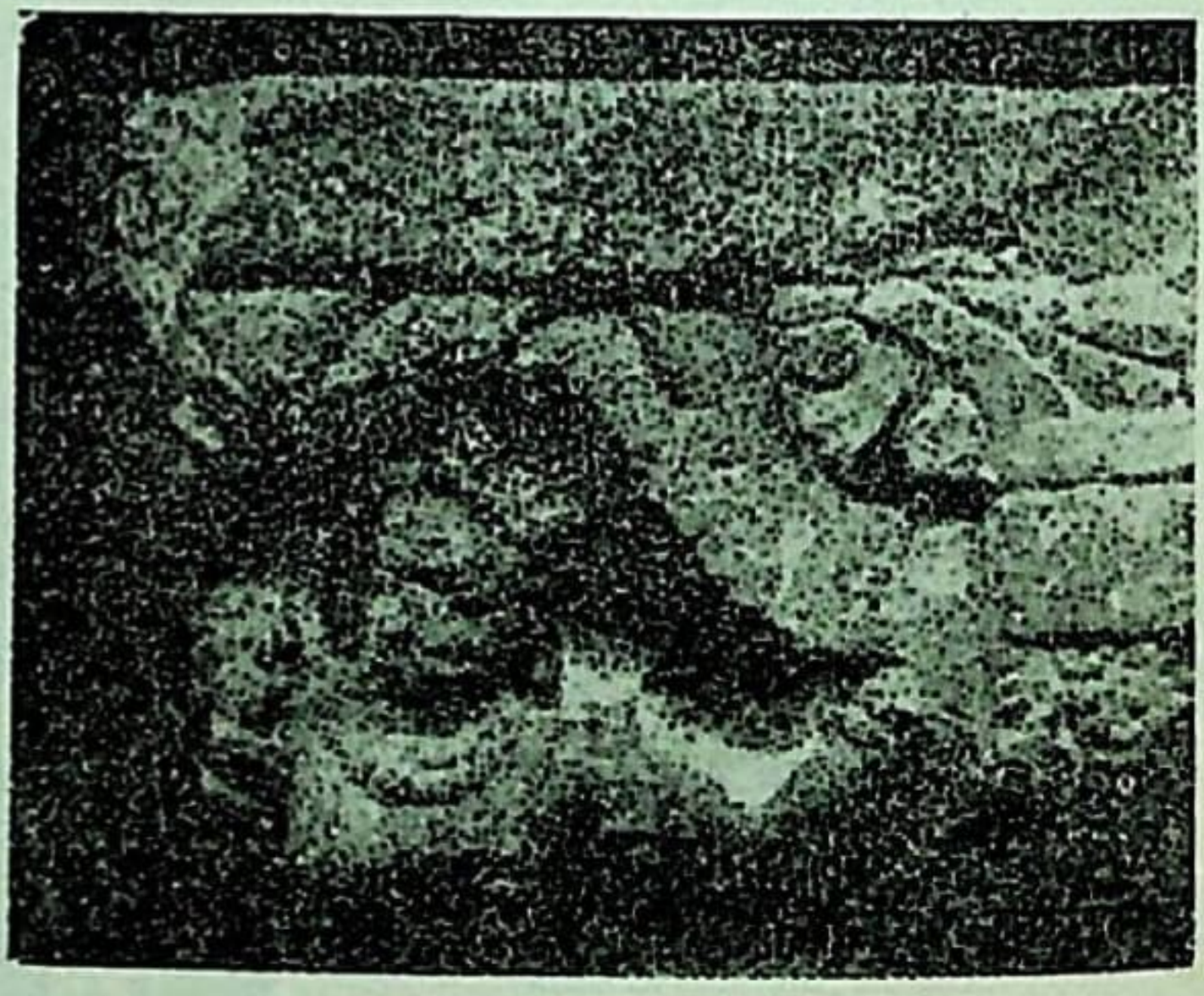

(फलक ७ ख)

देवगढ़ से प्राप्त गुप्तकालीन पर्वत को उठाए हुए हनुमान की मूर्ति

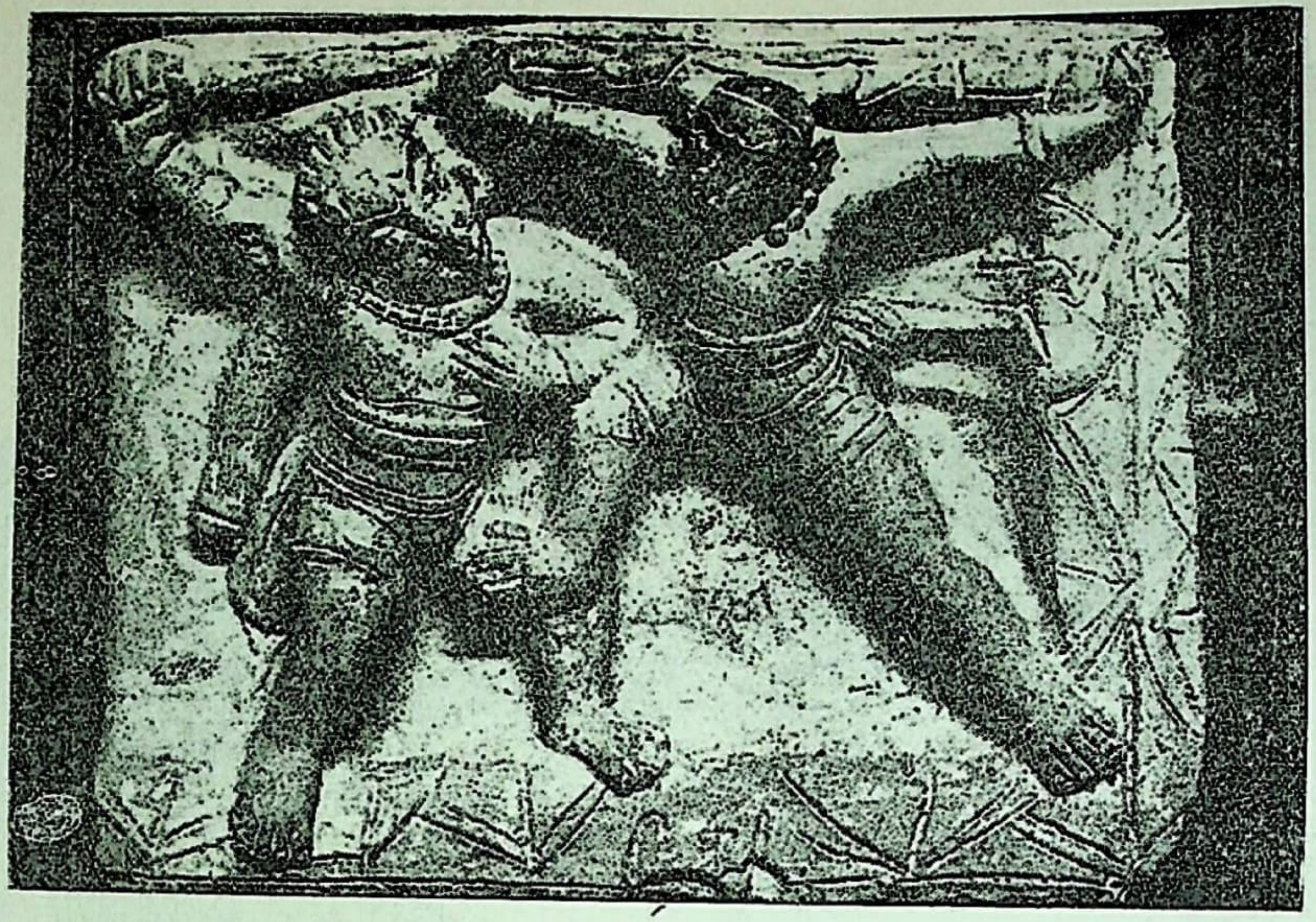

(फलक ९)

सहेत महेत से प्राप्त एक ईंटे पर बनी आकृतियाँ : हनुमान एक राक्षस को मार रहे हैं

(लखनऊ राजकीय संग्रहालय की कृपा से प्राप्त)

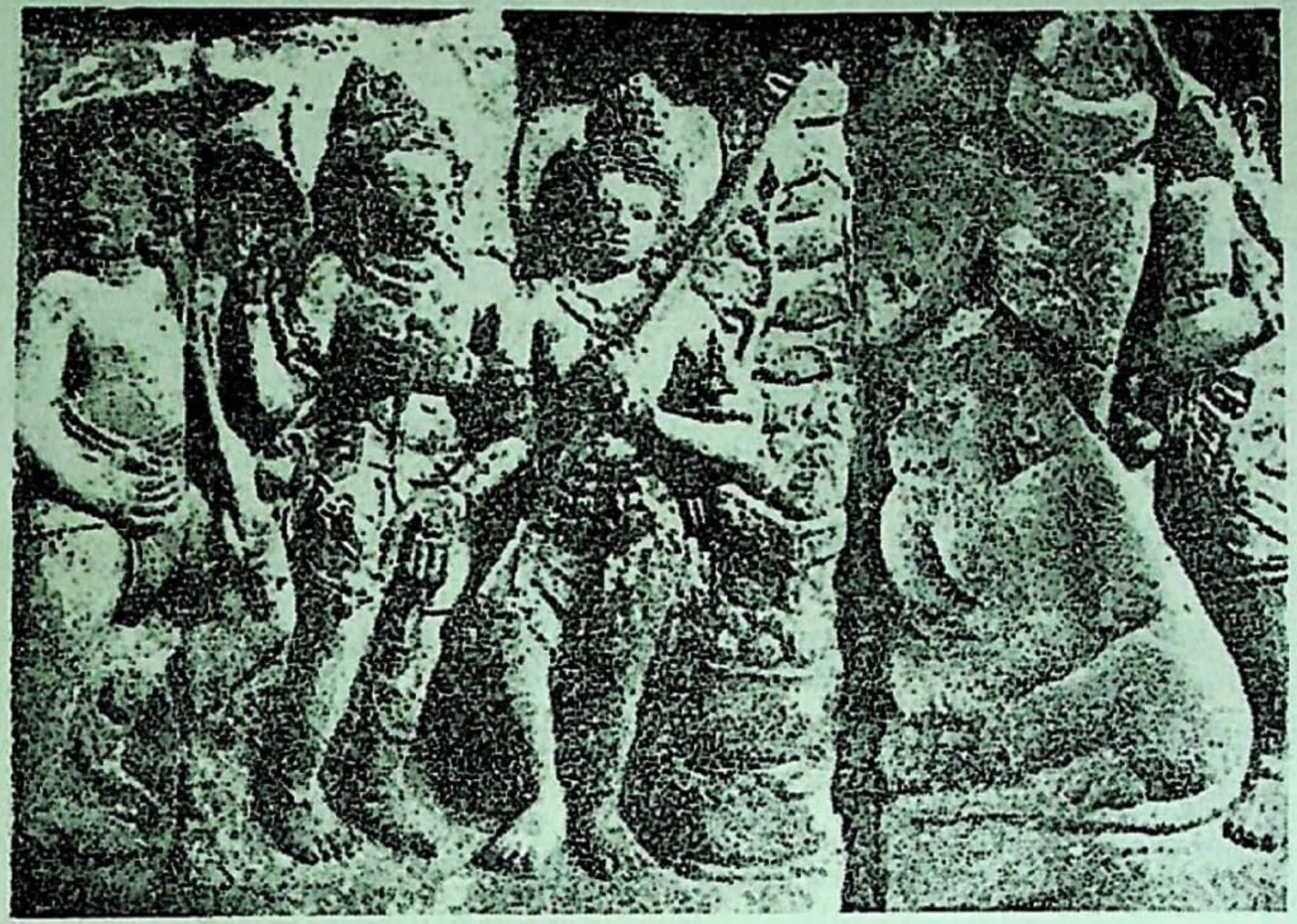

(फलक १३)

जावा के परमवनम मंदिर में उत्कीर्ण फलक पर दाहिनी ओर हनुमान

(फलक १५)

हनुमान की कांस्य प्रतिमा
(मद्रास संग्रहालय)

(फलक १६)

राक्षसी पैर के नीचे हनुमान की मूर्ति

(मथुरा)

(फलक १७)

मथुरा से प्राप्त हनुमान की मूर्ति

(चित्र ठाकुर नी० पू० जोशी, निदेशक, राजकीय संग्रहालय की कृपा से प्राप्त)

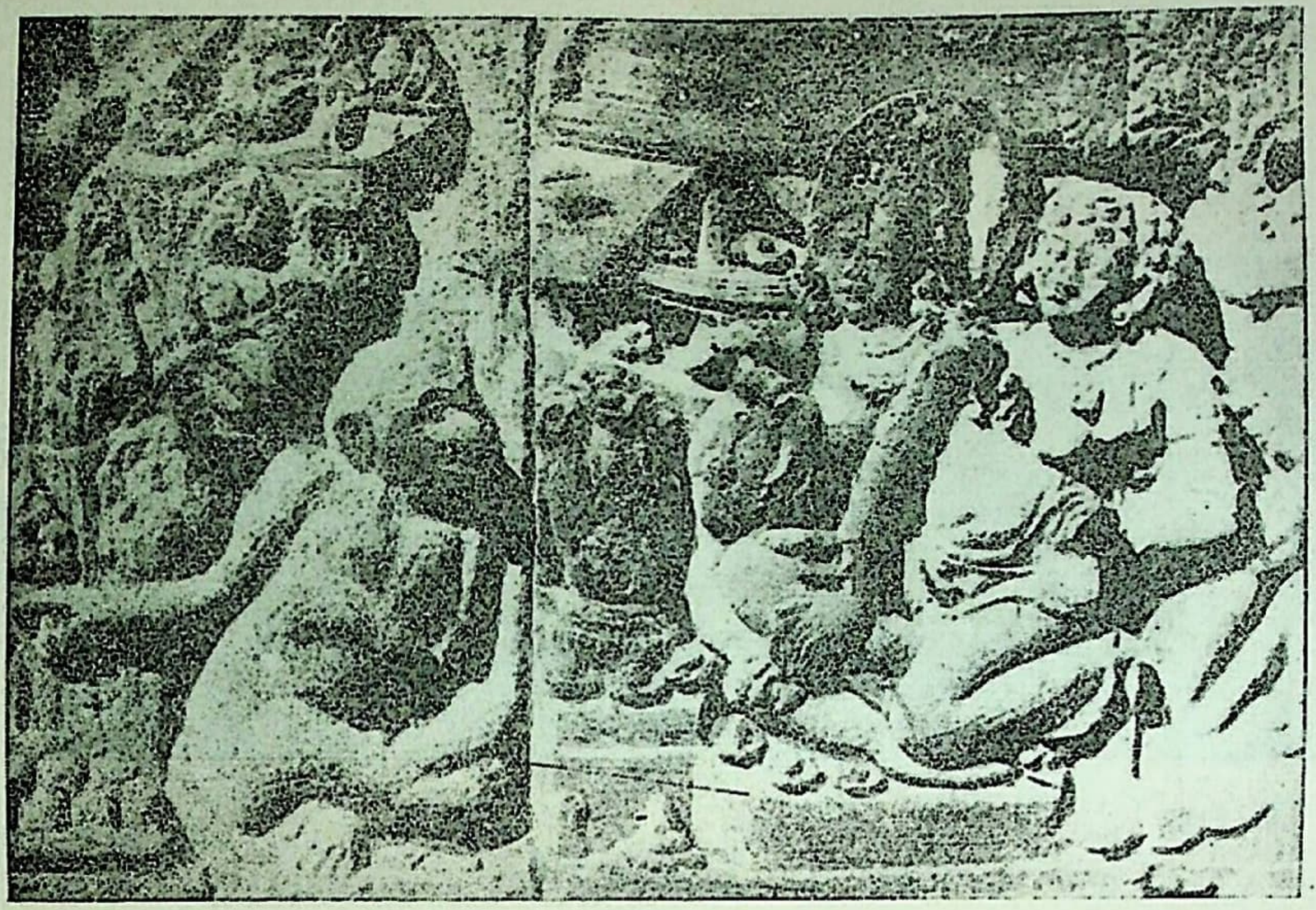

(फलक १८)

जावा के परमवनम लोरो जोंग के शिलापट्ट में हनुमान और सुग्रीव

(फलक १८)

९वीं शताब्दी की खजुरी (काशी) में प्राप्त हनुमान की मूर्ति

(फलक १९)

बिहार के सिंघभूमि के हनुमान की मूर्ति

(फलक २०)

मध्यप्रदेश के पाठन स्थान से प्राप्त हनुमान की मूर्ति
(डा० प्रमोदचन्द्र, अमेरिकन अकादमी, काशी की कृपा से प्राप्त)

(फलक २१)

मध्यप्रदेश के गुना जिले के इंदौर स्थान से प्राप्त हनुमान की मूर्ति
(अमेरिकन अकादमी, काशी की कृपा से प्राप्त)

(फलक २३)

जबलपुर के कूदन गाँव की हनुमान मूर्ति (श्री के० डी० वाजपेयी सागर विश्वविद्यालय की कृपा से प्राप्त)

(फलक २५)

नवगाँव के धुवेला संग्रहालय की हनुमान मूर्ति

(चित्र संग्रहालयाध्यक्ष की कृपा से प्राप्त)

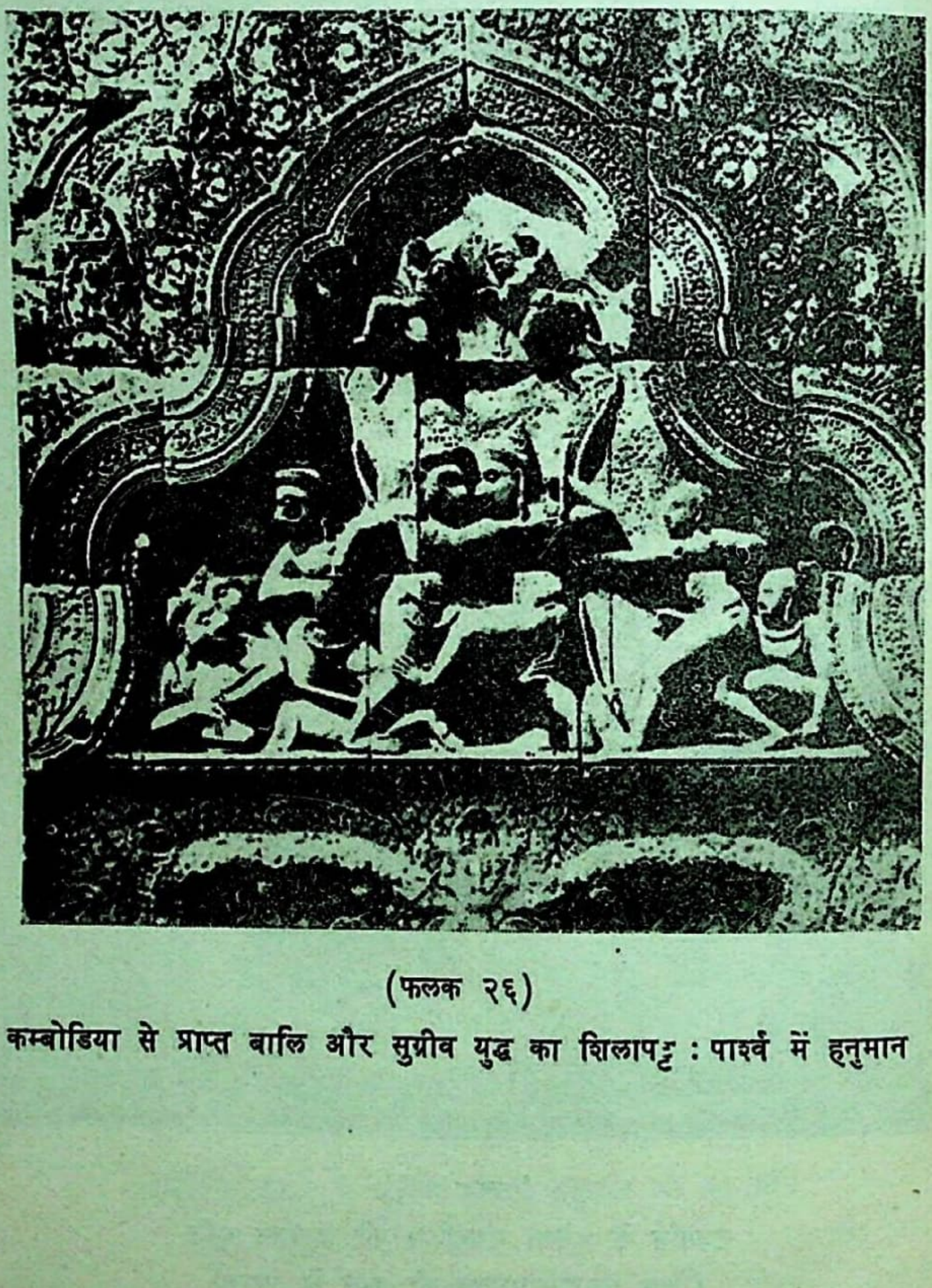

(फलक २६)

कम्बोडिया से प्राप्त बालि और सुग्रीव युद्ध का शिलापट्ट : पार्श्व में हनुमान

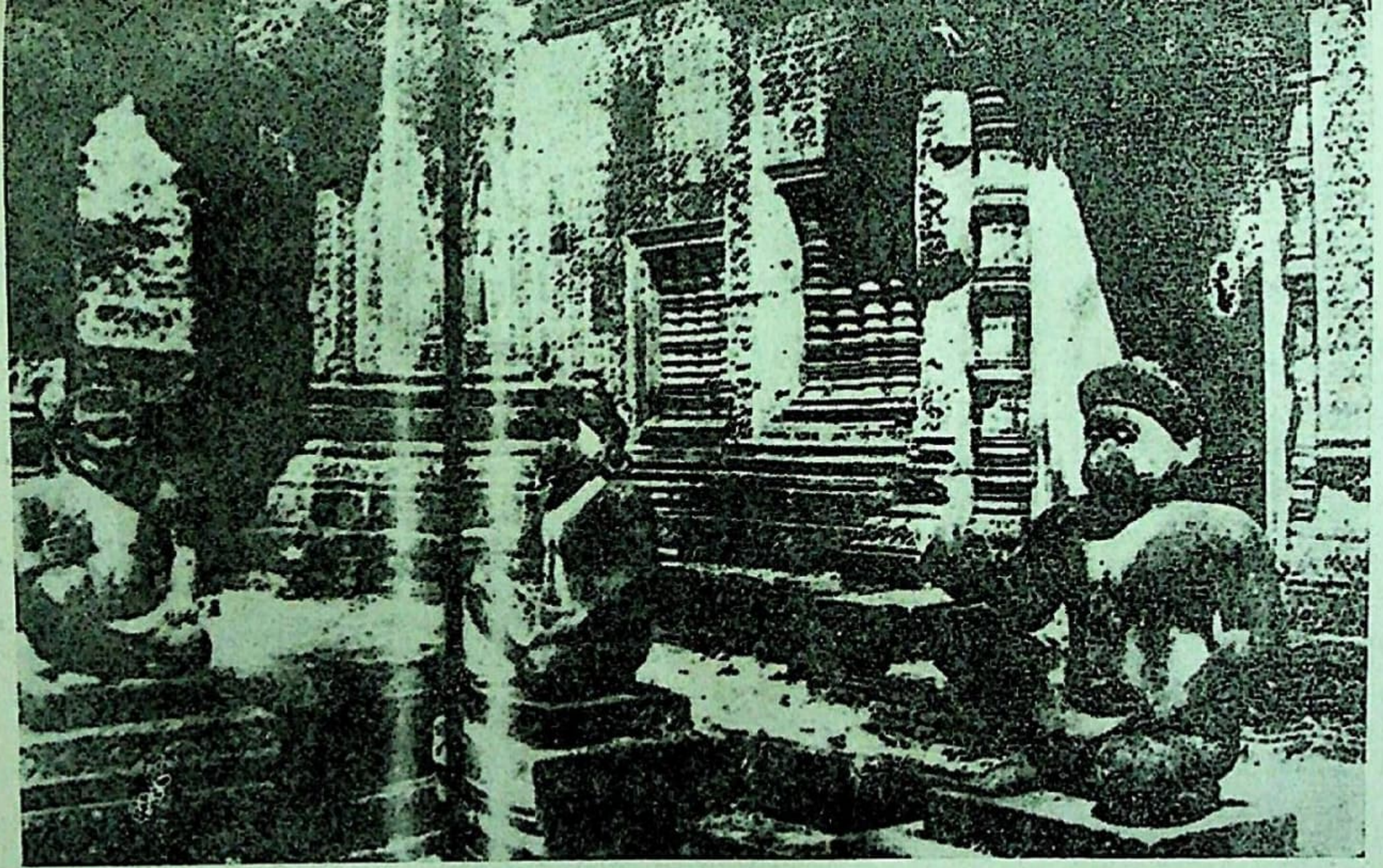

(फलक २७)

कम्बोडिया वेण्टे की हनुमान की प्रहरी रूप में मूर्ति (१४वीं शताब्दी)

(फलक २९)

प्राचीन गोवा से प्राप्त मूर्ति

(फलक ३०)

गोवा संग्रहालय की एक हनुमान प्रतिमा

(फलक ३४)

पंचमुखी हनुमान

(राजकोट के वाटसन संग्रहालय की कृपा से प्राप्त)

(फलक ३५)

उत्तरी आरकाट के अनन्त ताल गांव की हनुमान प्रतिमा

(फलक ३८)

सुचिन्द्रम मंदिर १७वीं शताब्दी की १६'. ४" आकार की
काले पत्थर की हनुमान-मूर्ति

(फलक ३९)

तमिलनाडु के सलेम जिले के वामकाल की १८ फुट ऊंची
काले पाषाण की मूर्ति
(चित्र श्री ए० रामकृष्ण की कृपा से प्राप्त)

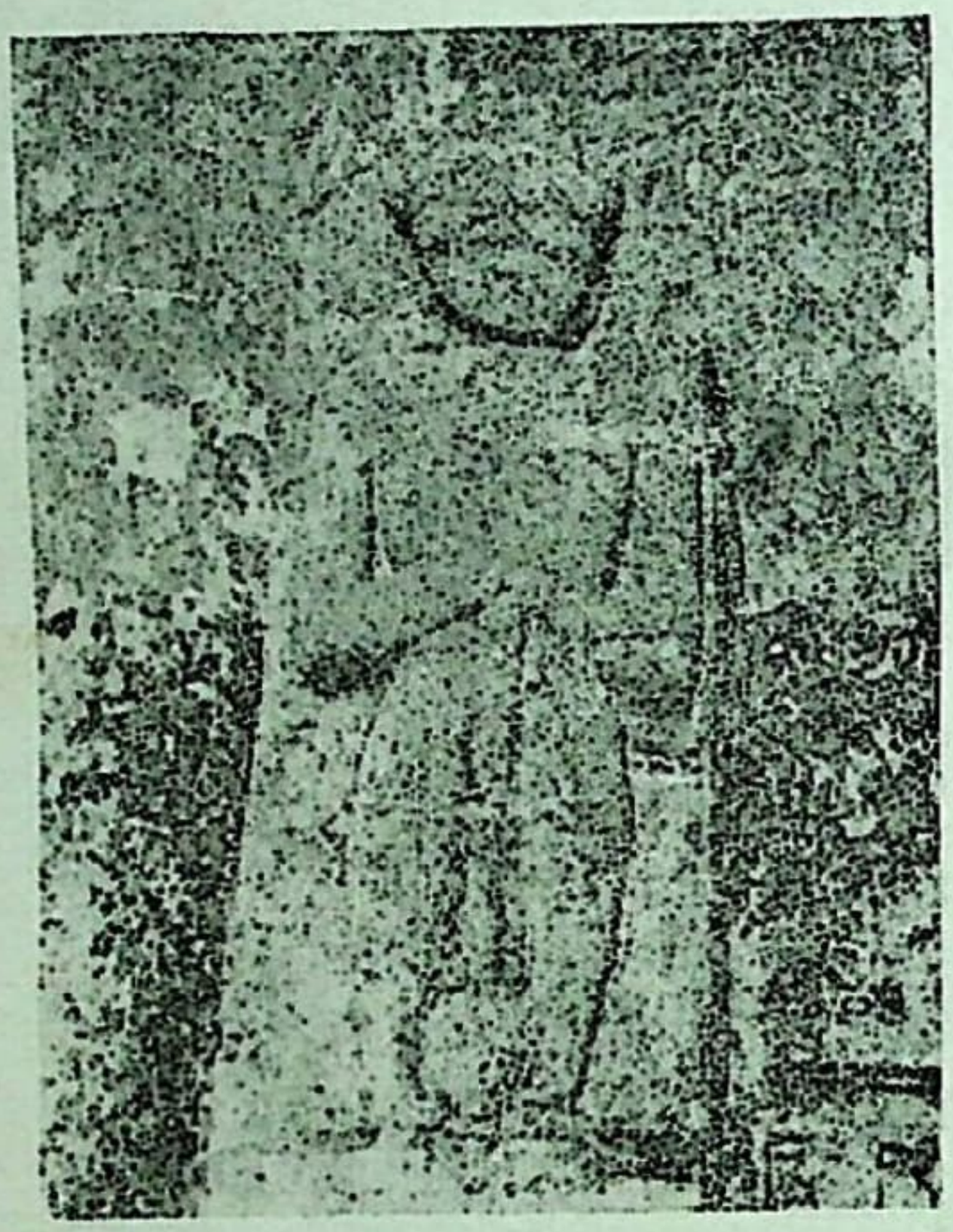

(फलक ३२)

प्रतिहारी हनुमान प्रतिमा

(अध्यक्ष क्षेत्रीय संग्रहालय, मंदसौर के सौजन्य से)

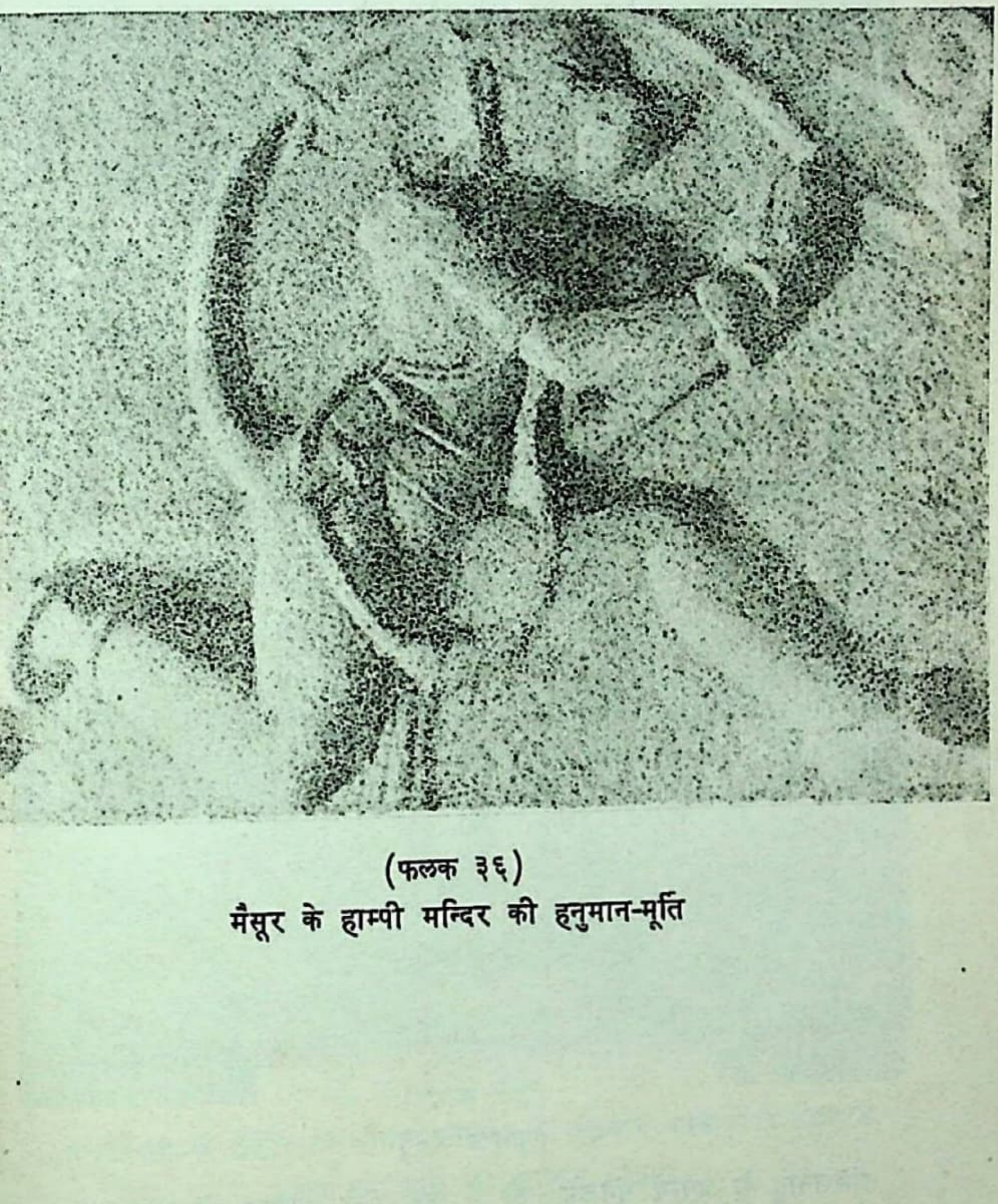

(फलक ३६)

मैसूर के हाम्पी मन्दिर की हनुमान-मूर्ति

(फलक ४०)

तमिलनाडु के अनाथ मंगलम की ५ फुट ऊंची हनुमान की कांस्य-मूर्ति
(चित्र श्री एन० रामकृष्ण की कृपा से प्राप्त)

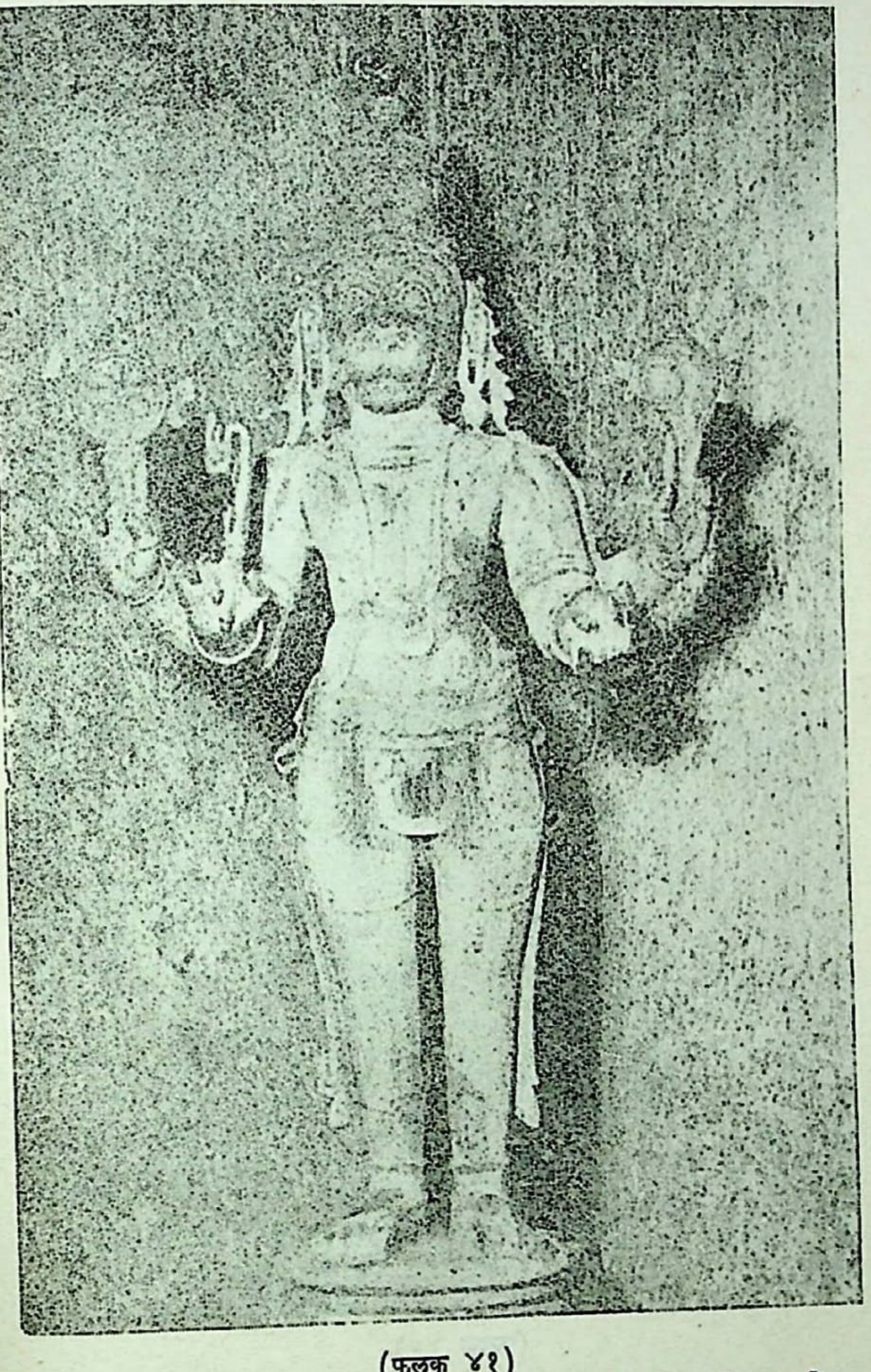

(फलक ४१)

तमिलनाडु के तंजौर के अनाथ मंगलम से त्रंकुआर जाने वाली सड़क के मंदिर की काँसे की हनुमान प्रतिमा

(चित्र श्री एन० रामकृष्ण की कृपा से प्राप्त)

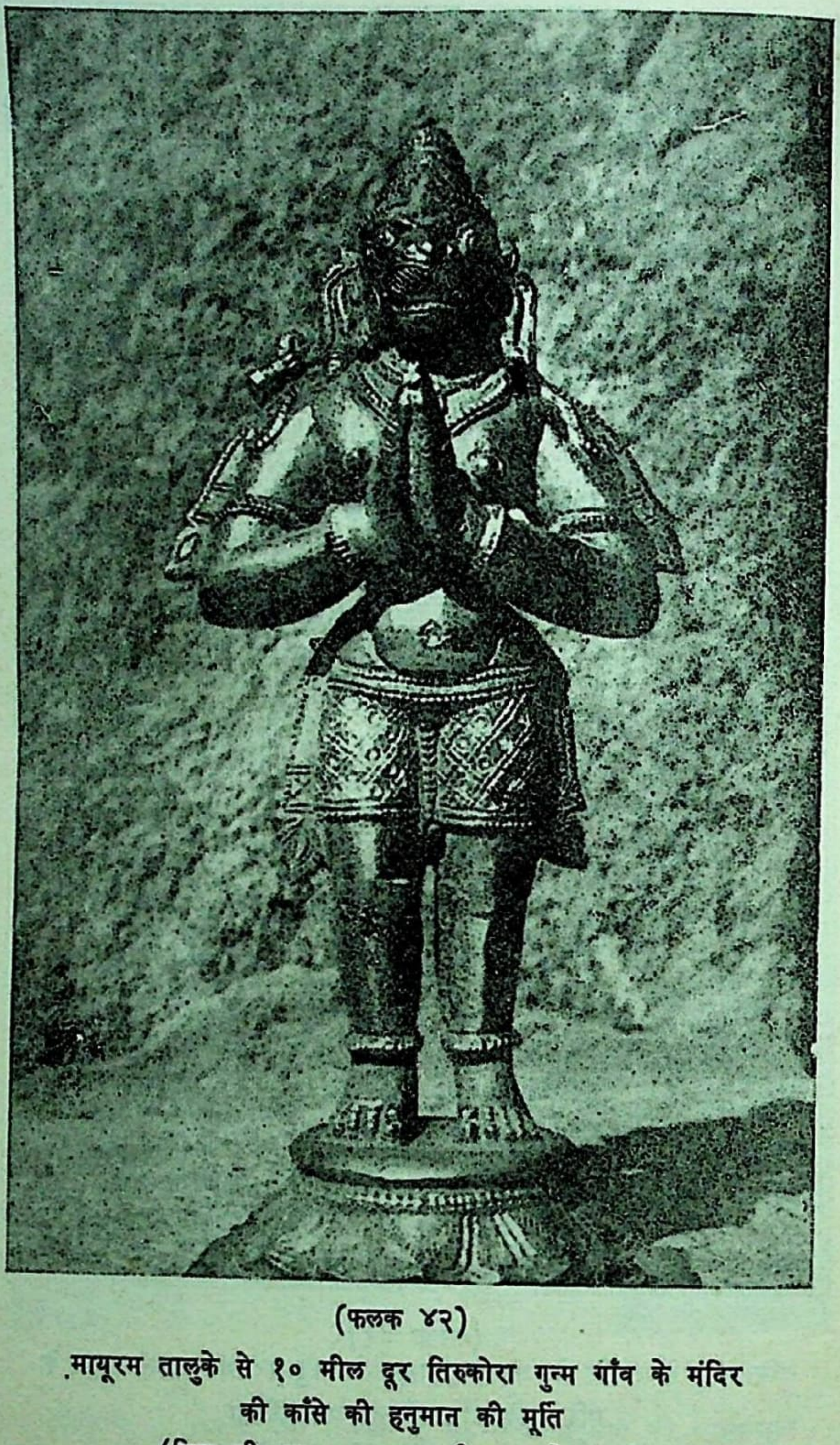

(फलक ४२)

मायूरम तालुके से १० मील दूर तिरुकोरा गुन्म गाँव के मंदिर
की काँसे की हनुमान की मूर्ति
(चित्र श्री एन० रामकृष्ण की कृपा से प्राप्त)

(फलक ४४)

१९वीं शताब्दी की पंचक्रोशी के मार्ग पर स्थित हनुमान मंदिर की मूर्ति
कन्धों पर राम और लक्ष्मण

(फलक ४५)

पंचमुखी हनुमान की मूर्ति का चित्र

(स्टाकहॉम संग्रहालय के संग्रहाध्यक्ष की कृपा से प्राप्त)

(फलक ४६)

एक पहाड़ी चित्र जिसमें हनुमान दुर्गा को
लंका से बाहर ले जाते हुए

(फलक ४७)

बंगाल के पट पर अपने हृदय में बैठे
राम-सीता को दिखाते हुए हनुमान की मूर्ति